भावाअशिप – शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर (आफरी) में हिन्दी पखवाड़ा - 2025 का आयोजन

भावाअशिप – शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर (आफरी) में दिनांक 14-09-2025 को हिन्दी पखवाड़ा (**14- 29 सितंबर, 2025**) का आरंभ हुआ। आफरी संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा के आयोजन का शुभारंभ गांधीनगर, गुजरात में आयोजित हुए 'हिन्दी दिवस एवं **5** वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन' के आरंभ के साथ हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा– 2025 के आयोजन के दौरान संस्थान में विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताएं क्रमशः हिन्दी टिप्पण तथा आलेखन, हिन्दी टंकण (सामान्य), हिंदी टंकण (यूनिकोड), हिन्दी प्रश्नोत्तरी, हिन्दी निबंध, हिन्दी आशु भाषण, स्व रचित कविता पाठ नामित संयोजकों/निर्णायकों द्वारा आयोजित कराई गईं। प्रतियोगिताओं में संस्थान के कार्मिकों ने बढ़- चढ़ कर भाग लिया।

भावाअशिप – शुष्क वन अनुसंधान संस्थान ,जोधपुर (आफरी) में **दिनांक 29-09-2025** को 'हिन्दी पखवाड़ा' (14 से 29 सितंबर,2025) का **समापन समारोह** आयोजित किया गया। समापन समारोह में डॉ. प्रेम सिंह, सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर मुख्य अतिथि तथा साथ ही डॉ राजेन्द्र तातेड़, सीपीआर प्रशिक्षण दाता विशिष्ट अतिथि रहें। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ. तरुण कान्त, कार्यवाहक निदेशक द्वारा अतिथियों को साफा पहनाकर व पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इसके पश्चात स्व रचित कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें संस्थान के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के बाद डॉ. तरुण कान्त, वैज्ञानिक – जी ने भी अपनी स्व रचित कविता का पाठ किया। कार्यक्रम में श्री रतना राम लोहरा,प्रभारी अधिकारी, हिन्दी (राजभाषा) ने संस्थान की राजभाषा हिन्दी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट **(2024-25)** सभी के समक्ष प्रस्तुत की तथा महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के 'हिंदी दिवस' पर जारी संदेश का वाचन भी किया। सम्मानीय अतिथियों द्वारा हिन्दी सप्ताह के दौरान आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साह वर्धन किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए प्रथम ,द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए राशि क्रमशः ₹1000/- ,₹800/-,₹500/- पुरस्कार हेतु थी।

कार्यक्रम में आगे विशिष्ट अतिथि महोदय ने इस अवसर पर अपने विचार रखे व बताया कि सीपीआर का उपयोगी प्रशिक्षण हिंदी भाषा में दिये जाने से सभी को सरलता से समझ आ जाता है। डॉ. संगीता सिंह, समूह समन्वयक (शोध) ने हिंदी दिवस व पखवाड़े के आयोजन की उपयोगिता पर प्रकाश डाला व हिंदी भाषा के अधिकाधिक प्रयोग पर बल दिया। डॉ. तरुण कान्त, वैज्ञानिक- जी द्वारा इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा गया कि हिंदी दिवस /सप्ताह/ पखवाड़ा मात्र एक

भाषायी आयोजन नहीं हैं बल्कि यह हमारी हिंदी भाषा का एक उत्सव है। वर्तमान समय में हिंदी भाषा का प्रयोग परस्पर बढ़ता ही जा रहा है तथा हिंदी सभी को एकता के सूत्र में बांधने की शक्ति रखती है एवं साथ ही आपने संस्थान में सभी से अपना अधिक से अधिक कार्यालयी कार्य हिंदी में करने की अपील की तथा संस्थान में आगे हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ता ही रहे यह अपेक्षा की गई।

मुख्य अतिथि महोदय ने हिंदी भाषा की सरलता व वैज्ञानिकता के विषय में प्रकाश डाला व आपने भारतेन्दु युग से हिंदी की विकास यात्रा के बारे में बताते हुए कवि रामधारी सिंह दिनकर की कविता से सभागार को भाव विभोर किया। डॉ. तरुण कान्त, वैज्ञानिक - जी द्वारा मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। अंत में श्री अजय वशिष्ठ, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किए जाने के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा -2025 के समापन समारोह के दृश्य

हिन्दी पखवाड़ा -2025 के दौरान आयोजित हुई प्रतियोगिताओं के विजेतागण

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
01.	*हिन्दी टिप्पण और आलेखन* *15/09/2025*	श्री नरेश बिश्नोई	श्री यशपाल सोलंकी	श्री अखिल सिंह भण्डारी
02.	*हिन्दी टंकण (सामान्य)* *17/09/2025*	श्री एन.के. शारदा	श्री यशपाल सोलंकी	श्री प्रेम प्रकाश
03	*हिन्दी टंकण (यूनिकोड)* *(17/09/2025)*	श्री राजेश मीणा	श्री मोटा राम	श्री सवाई सिंह राजपुरोहित
04.	*हिन्दी प्रश्नोत्तरी* *(18/09/2025)*	श्री अखिल सिंह भण्डारी	श्री राहुल अग्रवाल	श्री नवीन वणवेरु
05.	*हिन्दी निबंध* *विषय : जैव विविधता संरक्षण* *(24/09/2025)*	श्री सवाई सिंह राजपुरोहित	श्री अमीन उल्लाह खान	श्री कैलाश चौधरी
06 .	*हिन्दी आशु भाषण* *(25/09/2025)*	श्री कैलाश चौधरी	श्रीमती मीता सिंह तोमर	श्री गंगाराम चौधरी
07.	*स्व रचित कविता- पाठ* *(29/09/2025)*	श्री सवाई सिंह राजपुरोहित	श्रीमती कुसुम परिहार	श्री अनिल शर्मा

हिन्दी पखवाड़ा – 2025 के दौरान की कुछ झलकियाँ

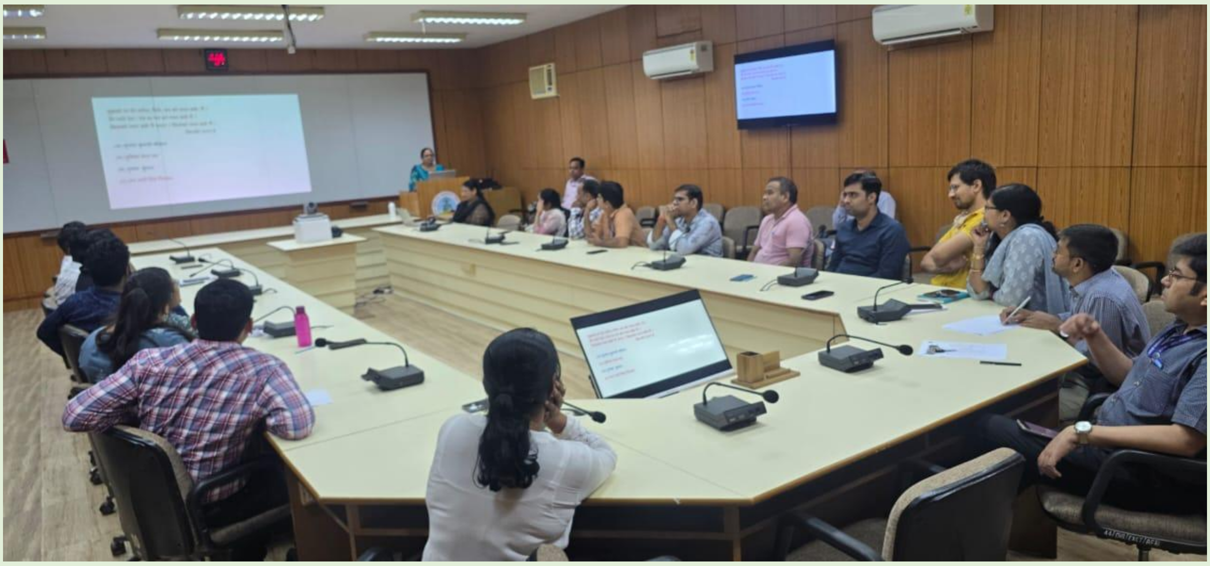

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर
हिंदी पखवाड़ा

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर
हिंदी पखवाड़ा
(14-29 सितंबर, 2025)

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान
जोधपुर

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
afri
Arid Forest Research Institute

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
afri
Arid Forest Research Institute

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर
हिंदी पखवाड़ा
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
afri
Arid Forest Research Institute

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर
हिंदी पखवाड़ा

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
afri
Arid Forest Research Institute

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
afri
Arid Forest Research Institute

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
afri
Arid Forest Research Institute

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
afri
Arid Forest Research Institute

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान संस्थान,
जोधपुर
51
68
143
30

भावाअशिप - शुष्क वन अनुसंधान
जोधपुर
सितंबर, 2025)

मीडिया कवरेज

आफरी में हिन्दी पखवाड़े का समारोह के साथ हुआ समापन

नवज्योति/जोधपुर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान आफरी में सोमवार को संस्थान में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा 14 से 29 सितंबर को समारोह के साथ समापन हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. तरुण कांत वैज्ञानिक जी ने मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम सिंह जेएनवीयू हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं विशिष्ठ अतिथि डॉ. राजेंद्र तातेड का साफा पहना शाल ओढा स्वागत किया। इसके बाद अजय वशिष्ठ कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित करवाई। जिसमें सवाई सिंह प्रथम, कुसुम परिहार द्वितीय एवं अनिल शर्मा ने तृतीय स्थान

प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रभारी अधिकारी हिंदी राजभाषा रतनाराम लोहरा ने महानिदेशक भावाअशिप का संदेश पठन करने के साथ संस्थान की राजभाषा हिन्दी की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने हिंदी का महत्व बताया। डॉ. तरुण कान्त ने पखवाड़े को सभ्यता, भाषा, संस्कृति एवं चेतना का प्रेरणादायी उत्सव बताया। उन्होंने अपनी स्वरचित कविता भी प्रस्तुत की। उसके बाद संस्थान के समूह समन्वयक शोध डॉ. संगीता सिंह ने हिन्दी के प्रचार में अधिकाधिक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। आयोजन में हिन्दी पखवाड़ा के दौरान आयोजित हुई टिप्पण, निबंध, प्रश्नोत्तरी, आशुभाषण व टंकण प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र देकर उत्साह वर्धन किया। कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी अजय वशिष्ठ ने संचालन कर धन्यवाद ज्ञापन दिया। इससे पूर्व सुबह राजेंद्र तातेड ने आफरी के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए सीपीआर का प्रशिक्षण दिया।

आफरी में हिन्दी पखवाड़ा का समापन

हिन्दी को बताया राष्ट्रीय चेतना का वाहक, विजेता सम्मानित

विश्वास एक्सप्रेस

जोधपुर। शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर में चल रहे हिन्दी पखवाड़ा का समापन हो गया है। समारोह की अध्यक्षता संस्थान प्रमुख डॉ. तरुण कान्त ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रेम सिंह तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. राजेंद्र तातेड उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का साफा एवं शाल से पारंपरिक स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी अजय वशिष्ठ द्वारा स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सवाई सिंह प्रथम, कुसुम परिहार द्वितीय, एवं अनिल शर्मा तृतीय स्थान पर रहे। प्रभारी अधिकारी (राजभाषा) रतनाराम लोहरा ने महानिदेशक का संदेश वाचन किया एवं 2024-25 की वार्षिक राजभाषा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम सिंह ने हिन्दी को हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बताते हुए इसे स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान तक देश को एकसूत्र में बांधने वाली भाषा बताया।

आफरी: हिंदी के बढ़ते तकनीकी और सामाजिक प्रभाव पर जोर

जोधपुर @ पत्रिका. शुष्क वन अनुसंधान संस्थान में सोमवार को हिंदी पखवाड़ा-2025 का समापन समारोह आयोजित हुआ। डॉ. तरुण कान्त ने हिंदी को सभ्यता, संस्कृति और चेतना का प्रेरणादायी उत्सव बताते हुए इसके तकनीकी और सामाजिक प्रभाव पर जोर दिया। मुख्य अतिथि डॉ. प्रेम सिंह ने हिंदी को स्वतंत्रता संग्राम से लेकर वर्तमान तक राष्ट्र को जोड़ने वाली भाषा बताया। समारोह में कविता पाठ प्रतियोगिता में सवाई सिंह प्रथम, कुसुम परिहार द्वितीय और अनिल शर्मा तृतीय रहे।